

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

अंक योजना –

कक्षा : ग्यारहवीं

विषय : (हिन्दी आधार)

कोड : 502

समयावधि : 3 घण्टे

कुल अंक : 80

सामान्य निर्देश :-

- 1 अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- 2 वर्णनात्माक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। बल्कि सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- 3 यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें , तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- 4 मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्यानसार नहीं , बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग संख्या	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	अंक विभाजन
		खण्ड अ बहुविकल्पीय प्रश्न	
1	(i)	घ उपरोक्त सभी	1
	(ii)	क धरती के जीवन को स्वर्गीय बनाना	1
	(iii)	ख प्रकृति के प्रति सहयोग ,कृतज्ञ तथा सदाशय का भाव रखकर	1
	(iv)	ग पश्चिमी आध्यात्मवाद की विपन्नता के	1
	(v)	क पश्चिम में आध्यात्मिक नहीं है	1
2	(i)	ग हिमगिरि का मस्तक।	1
	(ii)	घ ईश्वर को।	1
	(iii)	ग ईश्वर के चरणों में धरती और अंबर नतमस्तक हैं।	1
	(iv)	ख 1 (ii) , 2(iii) , 3 (i) , 4 (iv)	1
	(v)	घ पुनरुक्ति प्रकाश	1

अथवा			
	(i)	ख सर्वाधिक ऊँचा होकर मस्त स्वरूप दिखाई देने के कारण	1
	(ii)	क क्योंकि इसकी प्राकृतिक सुंदरता में स्वर्ग की सुंदरता, सुख और आनंद का अनुमान हो रहा है।	1
	(iii)	घ उपरोक्त सभी	1
	(iv)	घ क और ख दोनों	1
	(v)	छेश को सममान देने के लिए समुद्र बार-बार उसके चरण स्पर्श कर फूला नहीं समाता है।	1
3	(i)	ख पछतावे वाली।	1
	(ii)	क सार ततव ग्रहण करना।	1
	(iii)	ग भौतिक सुखों को।	1
	(iv)	घ आदिवासियों का।	1
	(v)	ग 1 (iii) , 2(i) , 3 (ii)	1
4	(i)	ख अलोपीदीन	1
	(ii)	घ ट्यूशन न लेने पर अध्यापक द्वारा कम अंक देने के कारण	1
	(iii)	ग संस्मरण	1
	(iv)	ख कुशाग्र बुद्धि	1
	(v)	ख 1 (ii) , 2(iii) , 3 (i)	1
5	(i)	क समूह संचार	1
	(ii)	ग संपादान के सिद्धांत	1
	(iii)	ख डायरी नितांत वैयक्तिक रचना है।	1
	(iv)	क फ्लैसबैक	1
	(v)	ग मजेदार और मनोरंजक समाचारों को	1
6	(i)	ख लता जी की गायकी की विशेषताओं को बताना।	1
	(ii)	क पत्थर की पट्टी आते ही	1
	(iii)	ख पंद्रह हाथ	1

	(iv)	क आशापूर्णा देवी	1
	(v)	ख चित्रपट संगीत , शास्त्रीय संगीत	1
7	(i)	घ द्विगु	1
	(ii)	ग 1 (iii) , 2(i) , 3 (iv) , 4 (ii)	1
	(iii)	क वह दस आम लेकर आया।	1
	(iv)	क शब्द क्रम संबंधी	1
	(v)	क लम्बा उदर है जिसका (गणेश जी)	
8	(i)	ख अहिंसा , सत्य , अस्तेय , ब्रह्मचर्य , अपरिग्रह	1
	(ii)	घ शक्तिशाली एवं पराक्रमी व्यक्ति को।	1
	(iii)	ग 24	1
	(iv)	क सभी एक समान हैं, कोई भला या बुरा नहीं है।	1
	(v)	ग 1 (iii) , 2(ii) , 3 (i)	1
		खण्ड ब वर्णनात्मक प्रश्न	
9		प्रसंग व संदर्भ – मीराबाई व पद	1
		व्याख्या – प्रभु के प्रति समर्पण भाव ।	3
		काव्य-सौन्दर्य – अनुप्रास व पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार, प्रसाद गुण आदि।	1
		अथवा	
	(i)	निर्मला पुतुल व आओ मिलकर बचाएँ ।	1
	(ii)	खुशी के समय हमारे मुख से फूट पड़ने वाले गीतों को।	1
	(iii)	बच्चों को खेलने के लिए मैदान , पशुओं के लिए हरी- भरी घास और बुजुर्गों के लिए प्राकृतिक शांति की प्राप्ति हो सके।	1
	(iv)	वातावरण पर चिंता व्यक्त की है।	1
	(v)	शांत रस , छंद मुक्त , अनुप्रास व पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार , खड़ी बोली आदि	1

13	(i)	<ul style="list-style-type: none"> • निर्धन एवं अभावग्रस्त • दृढ़ निश्चयी और कर्मठ • कर्तव्यनिष्ठ • पारखी 	3
	(ii)	<ul style="list-style-type: none"> • विविधताओं में भी एकता। • भौगोलिक संसाधनों के साथ-साथ , भारत में रहने वाले करोड़ों लोग भी भारत माता है। 	2
14	(i)	<ul style="list-style-type: none"> • जल को प्रकृति की अनमोल धरोहर बताया है। • मरुभूमि में कुई और कुओं के महत्त्व को दर्शाया गया है। • भावी पीढ़ी के लिए पानी के बचाव के प्रति सजगता। 	3
	(ii)	<ul style="list-style-type: none"> • बड़े लड़के की दो महीने से कोई सूचना न होना। • बेटे को ले जाने वाले लोगों से संतोषजनक उत्तर न मिलना। 	2
15	(i)	<p>(क) माता , बहन , पत्नी और पुत्री के रूप में।</p> <p>(ख) ममतामयी होने के कारण – फूल-सी कोमल और अत्याचारों का मुकाबला करने के लिए वज्र-सी कठोर।</p> <p>(ग) शोषण व अत्याचारों से बचाव में दुर्गा बन जाती है।</p>	3
	(ii)	<p>गुण संधि – अवर्ण के बाद इवर्ण ,उवर्ण और ऋ के आने पर क्रमशः ए ,ओ और अर् बन जाए।</p> <p>जैसे – गणेश = गण + ईश ।</p>	2
16	(i)	<ul style="list-style-type: none"> • गाँवों में पंचायती व्यवस्था को मजबूत किया गया। • बेरोजगारों के लिए रोजगार ण्णों की योजनाएं बनाई गई • निर्धन तीथ्र यात्रियों की सुविधा के लिए अन्नदान क्षेत्र खोले गए। • कृषकों को न्याय देने की व्यवस्था की गई। 	3
	(ii)	<ul style="list-style-type: none"> • भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाने का । • भारत को अग्रणी देशों की श्रेणी में लाना। 	2